

जेकेएलयू ने किया आधुनिकतम टच तकनीक पर कार्यशाला का आयोजन

जयपुर, 18 जनवरी (एजेन्सी)। अग्रणी अकादमिक संस्थान जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी ने अपने जयपुर स्थित कैम्पस में एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया। रीयल व वर्चुअल टच में सक्षम रोबोटिक तकनीक अथवा 'हैप्टिक्स' के वैश्विक संस्थापक प्रो.मंडायम ए.श्रीनिवासन के साथ आयोजित इस सत्र का उद्देश्य था उन अत्याधुनिक तकनीकों और उनके एप्लिकेशन के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना जो मेडिकल टेली-ऑपरेटेड सर्जरी, स्ट्रोक के मरीजों के रीहैबिलिटेशन, सुनने-देखने के मामले में अक्षम मरीजों की सहायता और डायबोटीज एवम ऐसे मरीज जिनके अंग काटने पड़ गए हैं, के इलाज अहम भूमिका निभाते हैं और सीखने के अनुभवों में सुधार लाते हैं। प्रो. श्रीनिवासन वर्तमान समय में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल), यूके के डिपार्टमेंट ऑफ कम्प्यूटर साइंस की यूसीएल टच लैब के डायरेक्टर हैं। हैप्टिक्स एक उभरता हुआ विज्ञान है जो वास्तव में दूर रखी वस्तुओं को टच करने के सेंस को रीक्रिएट करने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसके लिए जिन तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है उनमें शामिल हैं माइक्रो-इलेक्ट्रो-मेकेनिकल सिस्टम (एमईएमएस), टेक्टाइल ऐरे सेंसर और वियरेबल टेक्टाइल डिस्प्ले, ताकि दूर बैठकर किसी कार्य को अपने हाथों के जरिए अंजाम देने में अधिक वास्तविकता का अनुभव हो। आईआईसीडी की डायरेक्टर डॉ.तूलिका गुप्ता ने कहा कि क्राफ्ट्स के क्षेत्र में हैप्टिक तकनीक का बेहद रोचक इस्तेमाल किया जा सकता है खासतौर से राजस्थान के समृद्ध क्राफ्ट्स और डिजाइन कार्य के लिए। क्राफ्ट्स का काम करने वाले लोगों को प्रशिक्षण देने के लिए हैप्टिक सिमुलेटर्स का विकास किया जा सकता है जिससे उन्हें यह सिखाना आसान होगा कि उपयुक्त स्कल्पचरिंग के लिए कितना टेक्टाइल फोर्स लगाना सही होगा।